Barnebøker for Norge

barneboker.no

मगोज़वे / Magozwe

Skrevet av: Lesley Koyi
Illustret av: Wiehan de Jager
Oversatt av: Nandani (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 4.0 Internasjonal Lisens.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/deed.no

मगोज़वे

Magozwe

Lesley Koyi
Wiehan de Jager
Nandani
hindi / bokmål
nivå 5

(uten bilder)

व्यस्त नैरोबी शहर में, घर के प्यार-दुलार से दूर, बेघर बच्चों का एक समूह रहता था। हर दिन का वे खुशी से स्वागत करते। एक दिन, ठंडी फुटपाथ पर सोने के बाद बच्चें अपनी चटाई समेत रहे थे। ठंड को दूर रखने के लिए उन्होंने कचड़े से जलाई। इस समूह में एक लड़का था मगोज़वे। वह सबसे छोटा था।

• • •

I den travle byen Nairobi, langt fra det trygge livet hjemme, bodde det en gjeng hjemløse gutter. De tok hver dag akkurat som den kom. En morgen pakket guttene sammen mattene sine etter at de hadde sovet på det kalde fortauet. For å fordrive kulden lagde de et bål av søppel. En av guttene i gjengen var Magozwe. Han var den yngste.

जब मगोज़वे के माता-पिता चल बसे, वह केवल पाँच साल का था। वह चाचा के साथ रहने लगा। यह आदमी इस बच्चे की परवाह नहीं करता था। वह मगोज़वे को भर पेट खाना नहीं देता था। वह बच्चे से बहुत सारा काम करवाता।

• • •

Da Magozwes foreldre døde, var han bare fem år. Han dro for å bo med onkelen sin. Denne mannen brydde seg ikke om barnet. Han ga ikke Magozwe nok mat. Han tvang gutten til å jobbe hardt.

अगर मगोज़वे कोई शिकायत करता और सवाल पूछता तो उसका चाचा उसे पीटता। जब मगोज़वे ने उससे पूछा कि क्या वह विद्यालय जा सकता है, उसके चाचा ने उसे मारा और बोला, “तुम कुछ भी सीखने के लिए बहुत मूर्ख हो।” तीन साल तक इस तरह के व्यवहार के बाद मगोज़वे अपने चाचा के पास से भाग गया। उसने सड़क पर रहना शुरू कर दिया।

• • •

Hvis Magozwe klagde eller stilte spørsmål, slo onkelen hans ham. Når Magozwe spurte om han kunne gå på skolen, slo onkelen hans ham og sa: “Du er for dum til å lære noe som helst.” Etter tre år med denne behandlingen rømte Magozwe fra onkelen sin. Han begynte å bo på gata.

मगोज़वे हरे छत वाले घर के आँगन में बैठकर कर विद्यालय की कहानी की किताब पढ़ रहा था। थॉमस आया और उसके बगल में बैठ गया। “किसकी कहानी है?” थॉमस ने पूछा। “यह एक लड़के की कहानी है जो शिक्षक बना,” मगोज़वे ने उत्तर दिया। “लड़के का क्या नाम है?” थॉमस ने पूछा। “उसका नाम मगोज़वे है,” मगोज़वे ने मुस्कुराकर कहा।

• • •

Magozwe satt på tunet ved huset med det grønne taket og leste en barnebok fra skolen. Thomas kom og satte seg ved siden av ham. “Hva handler fortellingen om?” spurte Thomas. “Den handler om en gutt som blir lærer”, svarte Magozwe. “Hva heter gutten?” spurte Thomas. “Han heter Magozwe”, svarte Magozwe med et smil.

मगोज़वे ने विद्यालय जाना शुरू किया यह उसके लिए मुश्किल रहा।उसके सीखने के लिए बहुत कुछ था। कभी कभी वह हार मान जाता। लेकिन फिर वह कहानी वाले पायलट और फुटबॉल खिलाड़ी के बारे में सोचता। उनकी तरह, उसने हार नहीं मानी।

. . .

Magozwe begynte på skolen, og det var vanskelig. Han hadde mye å ta igjen. Av og til ville han gi opp. Men han tenkte på piloten og fotballspilleren i barnebøkene. Som dem ga han ikke opp.

सड़क का जीवन बहुत ही मुश्किल भरा था और ज्यादातर बच्चों को रोज़ के भोजन के लिए काफ़ी संघर्ष करना पड़ता। कभी वे गिरफ्तार होते, तो कभी उन्हें मार खानी पड़ती। जब वे बीमार होते, तो कोई उनकी मदद के लिए नहीं होता।भीख मांगने, प्लास्टिक बेचने और कबाड़ा बेचने से मिले थोड़े से पैसों पर ये समूह निर्भर रहता। जीवन तब और दूभर हो जाता जब प्रतिद्वंद्वी समूह के साथ शहर के उस हिस्से पर अधिकार के लिए लड़ाई हो जाती।

. . .

Livet på gata var vanskelig, og de fleste guttene slet hver dag bare for å finne mat. Noen ganger ble de arrestert, andre ganger ble de slått. Når de ble syke, var det ingen som kunne hjelpe dem. Gjengen var avhengig av de få pengene de fikk fra å tigge og fra å selge plast og annet til resirkulering. Livet var enda vanskeligere på grunn av slåsskamper med rivaliserende gjenger som ville ha kontroll over deler av byen.

एक दिन जब मगोज़वे कूड़ेदान में देख रहा था, तो उसे एक फटी पुरानी कहानी की किताब मिली। उसने उस पर से गन्दगी साफ़ की और उसे झोले में डाल लिया। उस दिन के बाद हर रोज़ वह किताब को निकलता और चित्रों को देखता। उसे नहीं पता था कि शब्दों को कैसे पढ़े।

. . .

En dag mens Magozwe lette i noen søppelbøtter, fant han en gammel fillete barnebok. Han fjernet møkka fra den og la den i sekken sin. Hver påfølgende dag tok han ut boka og så på bildene. Han visste ikke hvordan han skulle lese ordene.

और इसलिये मगोज़वे हरी छत वाले कमरे में रहने चला गया। उस कमरे में दो और लड़के रहते थे। पूरे घर में दस लड़के रहते थे। चाची सिसी उनके पति, तीन कुत्तों, एक बिल्ली और एक बूढ़ी बकरी के साथ।

. . .

Dermed flyttet Magozwe inn i et rom i et hus med grønt tak. Han delte rommet med to andre gutter. Til sammen var det ti barn som bodde i det huset. Sammen med tante Cissy og mannen hennes, tre hunder, en katt og en gammel geit.

उसने अपने डर को थॉमस से कहा। समय के साथ उस आदमी ने लड़के को विश्वास दिलाया कि नई जगह पर जीवन अच्छा हो जाएगा।

. . .

Han snakket om det han var redd for med Thomas. Med tiden forsikret mannen gutten om at livet kunne bli bedre på det nye stedet.

चित्र एक ऐसे लड़के की कहानी बताते जो बड़ा होकर पायलट बना। मगोज़वे का सपना था कि वह पायलट बने। कभी कभी, वह सोचता कि वह ही कहानी वाला लड़का है।

. . .

Bildene fortalte fortellingen om en gutt som vokste opp til å bli pilot. Magozwe pleide å dagdrømme om å bli pilot. Noen ganger innbilte han seg at han var gutten i fortellingen.

ठंड का मौसम था मगोज़वे सड़क पर भीख मांगने के लिए खड़ा था।एक आदमी उसकी तरफ आया। “नमस्ते, मैं थॉमस हूँ। मैं यही पास में काम करता हूँ, जहाँ तुम्हें कुछ खाने का मिल सकता है,” आदमी ने कहा। उसने नीली छत वाले पीले मकान की ओर इशारा किया। “मैं आशा करता हूं कि तुम वहाँ कुछ खाने के लिए जाओगे?” उसने कहा। मगोज़वे ने उस आदमी को देखा, और फिर घर को। “शायद,” उसने कहा, और चला गया।

. . .

Det var kaldt og Magozwe stod langs veien og tigget. En mann gikk bort til ham. “Hei, jeg heter Thomas. Jeg bor i nærheten, på et sted der du kan få deg noe å spise”, sa han og pekte på et gult hus med blått tak. “Jeg håper du drar dit for å få deg litt mat?” spurte han. Magozwe så på ham, og deretter på huset. “Kanskje”, sa han og gikk.

मगोज़वे ने नई जगह और विद्यालय जाने के विषय में सोचा। कहीं उसके चाचा सही हो और कुछ सीखने के लिए वह बहुत मुर्ख हो। क्या होगा अगर कोई उसे नई जगह पर पीटे? वह डरा हुआ था। “शायद सड़क पर रहना ही ठीक है,” उसने सोचा।

. . .

Magozwe tenkte på dette nye stedet og på å gå på skolen. Hva om onkelen hans hadde rett og han var for dum til å lære noe? Hva om de slo ham på dette nye stedet? Han var redd. “Kanskje det er bedre å bo på gata”, tenkte han.

मगोज़वे के दशवें जन्मदिन के आसपास, थॉमस ने उसे एक नयी कहानी की किताब दी। यह गाँव के एक लड़के की कहानी थी जो बड़ा होकर मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी बना। थॉमस ने मगोज़वे के लिए इस कहानी को कई बार पढ़ा, तब उसने एक दिन कहा, “मैं सोचता हूँ कि तुमको विद्यालय जाना चाहिए और पढ़ना सीखना चाहिए। तुम क्या सोचते हो?” थॉमस ने उसे बताया कि उसे एक ऐसी जगह के बारे में पता है जहाँ बच्चे रह सकते है, और विद्यालय जा सकते हैं।

. . .

Omkring Magozwes tiende fødselsdag ga Thomas ham en ny barnebok. Det var fortellingen om en landsbygutt som vokste opp til å bli en berømt fotballspiller. Thomas leste den fortellingen for Magozwe mange ganger, helt til han en dag sa: “Jeg synes det er på tide at du går på skolen og lærer å lese. Hva synes du?” Thomas forklarte at han visste om et sted hvor barn kunne bo og gå på skole.

उस घटना के बाद के महीनों में, बेघर बच्चें थॉमस को अपने आस पास देखने के आदि हो गए। उसे लोगों से बात करना पसंद था, ख़ास तौर पर उनसे जो सड़क पर रहते थे। थॉमस लोगों की जिंदगी से जुड़ी कहानी सुनता था। वह धैर्यवान और गंभीर आदमी था लेकिन किसी से रूखा और असम्मानित व्यवहार नहीं करता था। कुछ लड़कों ने दोपहर के भोजन के लिए पीले नीले घर में जाना शुरू कर दिया।

. . .

I månedene som fulgte ble de hjemløse guttene vant til å se Thomas. Han likte å snakke med folk, spesielt de som bodde på gata. Thomas hørte på fortellinger om livene til folk. Han var seriøs og tålmodig, aldri frekk eller respektløs. Noen av guttene begynte å dra til det gule og blå huset for å få mat midt på dagen.

मगोज़वे फुटपाथ पर बैठकर किताब देख रहा था जब थॉमस उसके पास आकर बैठ गया। “यह कहानी किस बारे में है?” थॉमस ने पूछा। “यह उस लड़के की कहानी है जो पायलट बना,” मगोज़वे ने उत्तर दिया। “लड़के का क्या नाम है?” थॉमस ने पूछा। “मुझे नहीं पता, मैं पढ़ नहीं सकता,” मगोज़वे ने धीरे से कहा।

. . .

Magozwe satt på fortauet og kikket i bildeboka da Thomas kom og satte seg ved siden av ham. “Hva handler fortellingen om?” spurte Thomas. “Den handler om en gutt som blir pilot”, svarte Magozwe. “Hva heter gutten?” spurte Thomas. “Jeg vet ikke, jeg kan ikke lese”, svarte Magozwe lavt.

जब वे मिलते, मगोज़वे ने अपनी कहानी बताना शुरू किया। यह कहानी थी उसके चाचा की और वह क्यों भागा। थॉमस बहुत बातचीत नहीं करता, और ना ही मगोज़वे से कहता कि उसे क्या करना चाहिए, लेकिन वह हमेशा उसे ध्यान से सुनता। कभी कभी वे तब बात करते जब वे नीले छत वाले घर में खाना खाते।

. . .

Da de møttes, begynte Magozwe å fortelle sin egen historie til Thomas. Det var historien om onkelen hans og hvorfor han rømte hjemmefra. Thomas snakket ikke mye, og han sa ikke til Magozwe hva han skulle gjøre, men han lyttet alltid oppmerksomt. Noen ganger snakket de sammen mens de spiste i det gule huset med det blå taket.